

## क्वाड: अवसर, चुनौतियां

प्रासंगिकता: जीएस-2: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से जुड़े और या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले समझौते।

की-वर्ड्स : चीनी वर्चस्व, इंडो-पैसिफिक पार्टनरशिप अवेयरनेस, क्यू-चैम्प, आईपीएमडीए, क्वाड, एक्ट ईस्ट पहल, सहयोग का ज्ञापन।



### संदर्भ:

- हाल ही में टोक्यो में क्वाड शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, नेताओं ने भारत-प्रशांत में चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की और एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी क्षेत्र के दृष्टिकोण को पूरा करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया।

### पृष्ठभूमि:

- क्वाड का मूल मालाबार अभ्यास और 2004 की सुनामी के बाद के घटनाक्रम से लगाया जा सकता है जब भारत ने अपने और पड़ोसी देशों के लिए राहत और बचाव अभियान चलाया और बाद में इसमें अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हो गए।
- 2007 में इसकी स्थापना के बाद से, चार सदस्यीय राष्ट्रों के प्रतिनिधि समय-समय पर मिलते रहे हैं।
- जापान के प्रधान मंत्री शिंजो आबे ने सबसे पहले 2007 में क्वाड के गठन का विचार प्रस्तुत किया था।

### क्वाड के सिद्धांत:

- क्वाड का उद्देश्य हिंद-प्रशांत में सामरिक समुद्री मार्गों को किसी भी सैन्य या राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रखना है।
- इसे मूल रूप से चीनी वर्चस्व को कम करने के लिए एक रणनीतिक समूह के रूप में देखा जाता है।
- क्वाड का मुख्य उद्देश्य एक नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था, नेविगेशन की स्वतंत्रता और एक उदार व्यापार प्रणाली को सुरक्षित करना है।
- गठबंधन का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के लिए वैकल्पिक ऋण वित्तपोषण की पेशकश करना भी है।

- क्वाड लीडर समकालीन वैश्विक मुद्दों जैसे महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता, आपदा राहत, जलवायु परिवर्तन, महामारी और शिक्षा पर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

### टोक्यो शिखर सम्मेलन के प्रमुख निष्कर्ष :

- पांच वर्षों में हिंद-प्रशांत में 50 बिलियन अमरीकी डालर की आधारभूत संरचना सहायता और निवेश।
- ठोस जलवायु कार्रवाई के लिए क्वाड क्लाइमेट चेंज एडेप्टेशन एंड मिटिगेशन पैकेज (क्यू-चैम्प Q-CHAMP) का शुभारंभ।
- क्वाड फेलोशिप एसटीईएम क्षेत्रों में स्नातक डिग्री हासिल करने के लिए हर साल 4 देशों के 100 छात्रों को अमेरिका लाएगी।
- अवैध मछली पकड़ने से निपटने के लिए इंडो-पैसिफिक पार्टनरशिप अवेयरनेस (आईपीएमडीए) का शुभारंभ।
- हिंद-प्रशांत में मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) पर क्वाड साझेदारी।

### क्या आप जानते हैं?

- क्वाड भारत, यू.एस., ऑस्ट्रेलिया और जापान का एक अनौपचारिक बहुपक्षीय समूह है जिसका उद्देश्य स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सहयोग करना है।
- चीन की सैन्यीकरण, आक्रामक विदेश नीति और भारत के साथ लदाख सीमा से लेकर पूर्वी एशिया के समुद्रों तक अपने क्षेत्रीय दावों पर दृढ़ दबाव का प्रभाव के कारण 2017 में चारों देश फिर से एक साथ आए तथा इसे क्वाड 2.0 कहा गया।

### भारत के लिए महत्व:

- यदि चीनी शत्रुता सीमाओं पर बढ़ती है, तो भारत मुकाबला करने के लिए अन्य क्वाड राष्ट्रों का समर्थन ले सकता है।
- क्वाड पूर्वी एशिया में अपने हितों को आगे बढ़ाने, शक्तिशाली मित्रों के साथ रणनीतियों का समन्वय करने और अपनी एक्ट ईस्ट पहल को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान करता है।
- यह अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ भारत के संबंधों को गहरा कर रहा है और भारत के लाभ के लिए अफगानिस्तान-पाकिस्तान में अमेरिकी नीतियों को आकार देने में नई दिल्ली को महत्वपूर्ण लाभ प्रदान कर रहा है।
- क्वाड के माध्यम से भारत चीन की बढ़ती शक्ति और दावे का मुकाबला करने के लिए नियम आधारित विश्व व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहता है।
- भारत अपने नौसैन्य की मदद भी ले सकता है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक खोज कर सकता है।

### क्वाड के सामने अवसर:

#### 1. मौजूदा तकनीकों का उपयोग करते हुए व्यावसायिक रूप से उपलब्ध डेटा का उपयोग करना।

- स्वचालित पहचान प्रणाली और रेडियो-आवृत्ति प्रौद्योगिकियों के संयोजन के माध्यम से, क्वाड पार्टनर गतिविधियों का एक अभूतपूर्व "सामान्य सूत्र" प्रदान कर सकते हैं।
- इसकी व्यावसायिक उत्पत्ति के कारण, इस डेटा को ओपन रखा जाएगा, जिससे क्वाड इसे लाभ की इच्छा रखने वाले भागीदारों को प्रदान कर सकेगा।

#### 2. क्वाड वैक्सीन पार्टनरशिप और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा

- क्वाड कोविड-19 महामारी के जवाब में अपने वैश्विक नेतृत्व को बनाए रखने और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

- आज तक, क्वाड पार्टनर्स ने हिंद-प्रशांत को सामूहिक रूप से 257 मिलियन सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन की खुराक प्रदान की हैं।

### 3. महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां

- चार देश महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में जिम्मेदार नवाचार के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- 5जी आपूर्तिकर्ता विविधीकरण और ओपन आरएएन पर सहयोग के एक नए ज्ञापन के माध्यम से, क्वाड इंटरऑपरेबिलिटी और दूरसंचार साइबर सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए तकनीकी आदान-प्रदान और परीक्षण गतिविधि पर सहयोग करेगा।

### 4. अंतरिक्ष

- अंतरिक्ष में अग्रणी के रूप में, क्वाड देश उपग्रह डेटा का आदान-प्रदान करने, क्षमता निर्माण को सक्षम करने और मानदंडों और दिशानिर्देशों पर परामर्श करने के लिए सहयोग और सामूहिक विशेषज्ञता को मजबूत कर रहे हैं।

### 5. बुनियादी ढांचा

- इंडो-पैसिफिक की विशाल बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए, क्वाड लीडर्स ने क्वाड इंफ्रास्ट्रक्चर कोऑर्डिनेशन ग्रुप लॉन्च किया, जो सहयोग को गहरा करेगा और डिजिटल कनेक्टिविटी, परिवहन बुनियादी ढांचे, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु लचीलापन सहित पूरक कार्यों को आगे बढ़ाएगा।

## क्वाड के सामने चुनौतियां:

### 1. यूरोप का ध्यान भटकाना

- यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने पुरानी विश्व व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है, जिसने दुनिया भर में भू-राजनीति को नया रूप दिया है। रूस के खिलाफ पश्चिमी गठबंधन के नेता के रूप में, अमेरिका अब युद्ध में पूरी तरह समर्पित है।
- यूक्रेन में पुतिन की आक्रामकता के मद्देनजर यूरोप और नाटो के पुनरुत्थान ने अमेरिका के ध्यान और संसाधनों पर नई मांगें पैदा कर दी हैं, जिससे एक ही समय में दो प्रतिद्वंद्वियों - रूस और चीन - से लड़ने की अमेरिकी लालसा पर सवाल उठने लगे हैं।
- यूक्रेन में युद्ध भी क्वाड में एक आंतरिक चुनौती बन गया है। तीन सदस्यों - अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया - ने रूस की आक्रामकता के खिलाफ एक स्पष्ट रुख अपनाया है।
- भारत की स्थिति अध्ययनरत तटस्थता की रही है जो क्षेत्रीय संप्रभुता और अखंडता और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सम्मान की मांग करती है, लेकिन रूस की आलोचना नहीं करती है।

### 2. चीन का खतरा

- क्वाड का प्रत्येक सदस्य चीनी खतरे को अलग तरह से देखता है
  - अमेरिका के लिए, यह व्यापार और ताइवान के बारे में है।
  - ऑस्ट्रेलिया के लिए भी, व्यापार सबसे बड़ा मुद्दा था जब तक कि सोलोमन द्वीप में हाल ही में चीनी सैन्य अड्डे की स्थापना ने एक नया आयाम जोड़ा है।
  - जापान और भारत चीन के सबसे करीब हैं, और दोनों ही देश अपने क्षेत्रों पर चीन के दावों का सामना कर रहे हैं।

### 3. गैर-सुरक्षा पहल

- चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और बुनियादी ढांचे को "प्रमुख युद्धभूमि" के रूप में वर्णित किया गया है।

**निष्कर्ष:**

- क्वाड एक अनूठी साझेदारी के रूप में विकसित हुआ है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देने में एक सार्थक भूमिका निभाने के लिए तैयार है।
- क्वाड देश एक दूसरे के दृष्टिकोणों को पहचानते हैं और अभिसरण के क्षेत्रों पर निर्माण करके समूह को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है।
- हाल ही में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन ने एक व्यापक कैनवास को शामिल करने वाले दृष्टिकोण को रेखांकित किया है।
- इसने साझा चुनौतियों का समाधान करने और मौजूदा और संभावित दोनों, सहकारी और सहयोगात्मक रूप से अवसरों का दोहन करने की स्पष्ट मंशा का संकेत दिया है।

**स्रोत:** <https://indianexpress.com/article/explained/quad-summit-opportunities-challenges-russia-ukraine-war-china-taiwan-conflict-7932567/>

**मुख्य परीक्षा प्रश्न:**

Q. क्वाड ग्रुप के सामने प्रमुख चुनौतियों और अवसरों का समालोचनात्मक विश्लेषण करें। (250 शब्द)

**प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:**

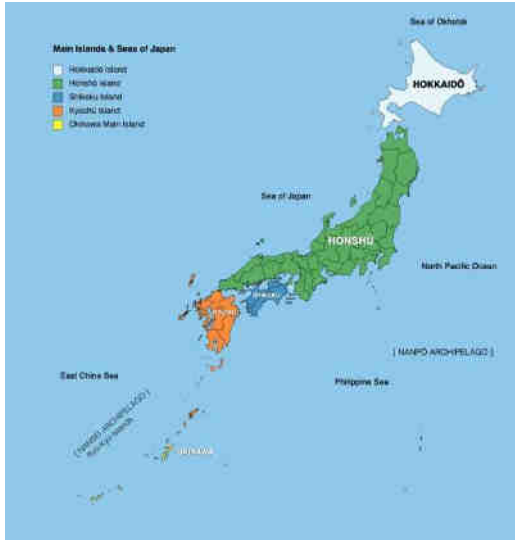
Q. जापान के निम्नलिखित द्वीपों को उत्तर से दक्षिण की ओर व्यवस्थित कीजिए।

1. होंशू
2. क्यूशू
3. होक्काइडो
4. शिकोकू

सही कोड चुनें:

- a) 4-3-2-1
- b) 1-2-3-4
- c) 2-4-1-3
- d) 3-1-4-2

उत्तर : d



**ध्येय IAS**<sup>®</sup>  
most trusted since 2003